आठ बजे तैयार रहना

पेगी पैरिश

चित्र: लियोनार्ड केसलर

आठ बजे तैयार रहना

पेगी पैरिश

चित्र: लियोनार्ड केसलर

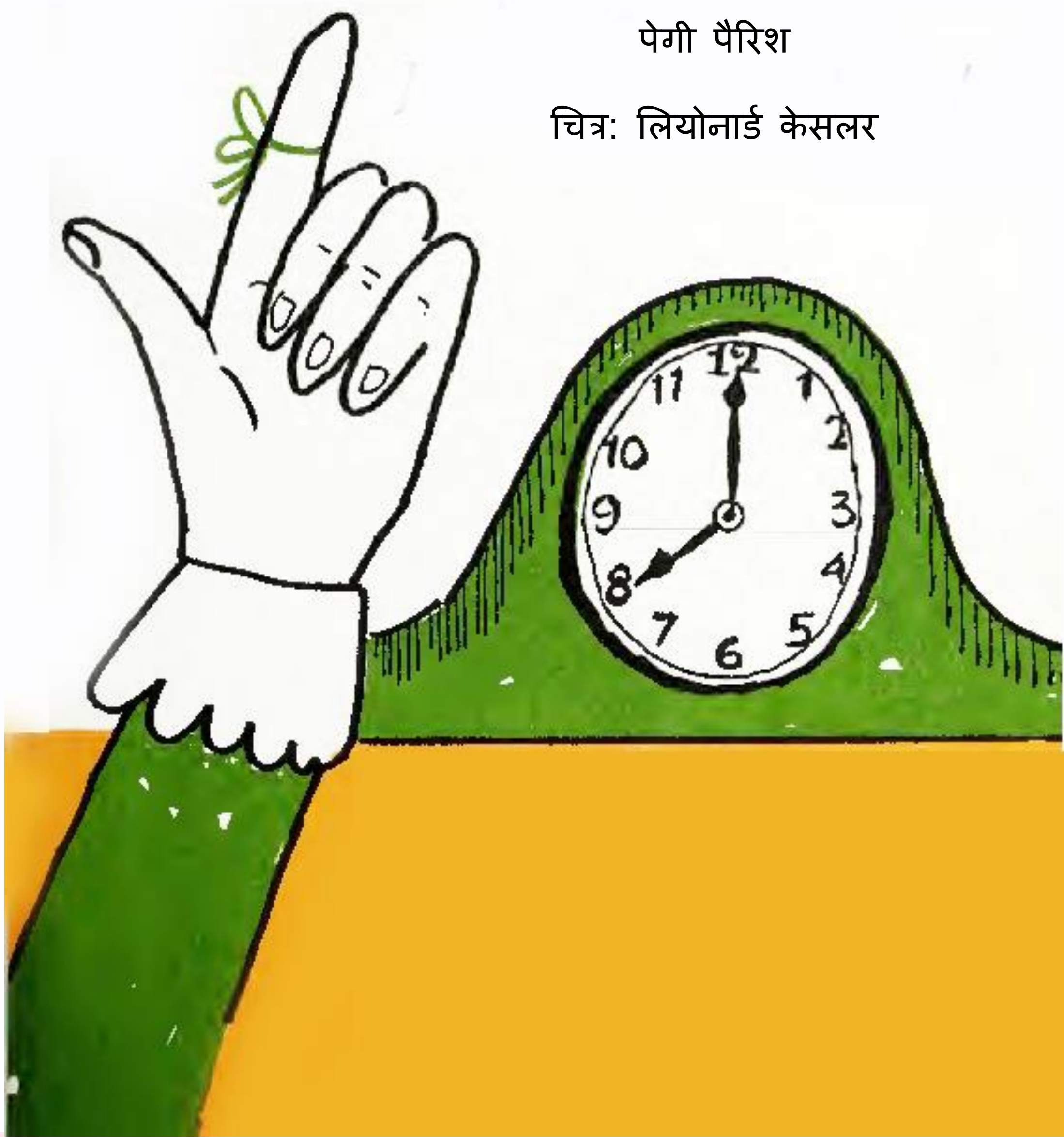

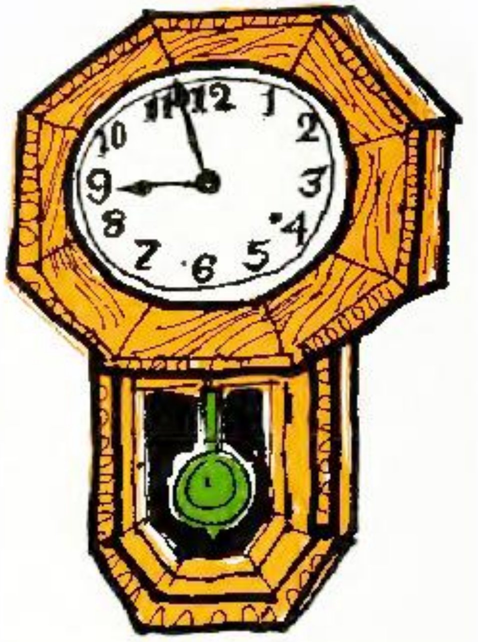

आठ बजे तैयार रहना

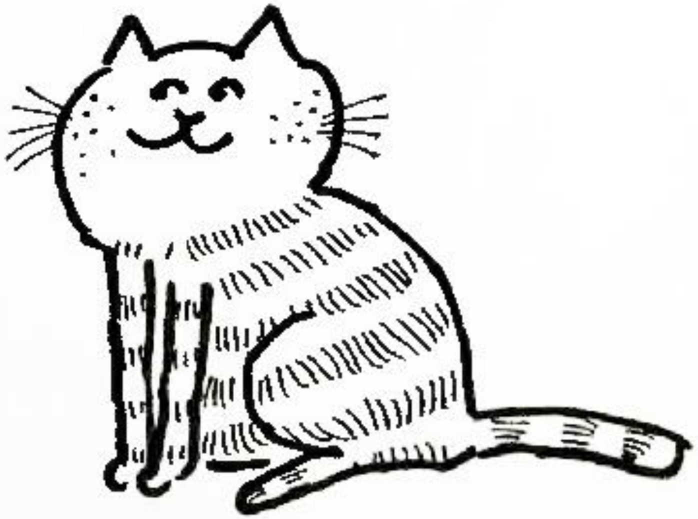

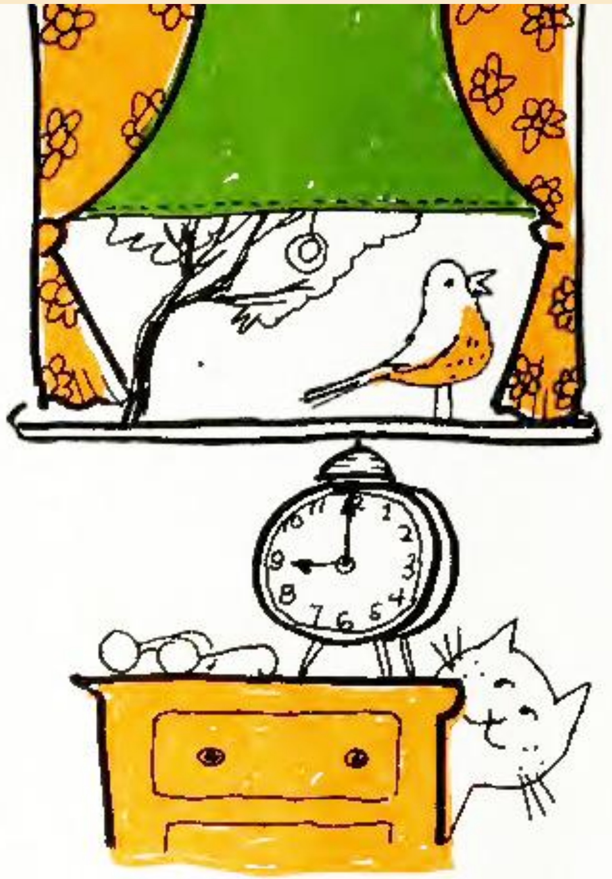

मिस मौली जाग गईं.

उन्होंने घड़ी की ओर देखा.

"नौ बज गए!" उन्होंने कहा.

"अरे, आज मैं देर तक सोई."

मिस मौली को कुछ खिंचाव महसूस हुआ.

उनकी नज़र एक धागे पर पड़ी.

"ओह," उन्होंने कहा.

"मेरी उंगली के चारों ओर एक धागा बंधा है.

वह मुझे याद दिलाने के लिए है.

कि आज कुछ खास होने वाला है.

अब वह क्या हो सकता है?"

मिस मौली बिस्तर से उठीं.

उन्होंने अपने पैर की उंगलियों को दस बार छुआ.

"मैंने अपनी वर्जिश कर ली," उन्होंने कहा.

"लेकिन उसमें कोई खास बात नहीं,

तो वो मैं हर दिन करती हूँ."

मिस मौली बाथरूम में गईं.

उन्होंने अपने दांत ब्रश किए.

उन्होंने अपना चेहरा धोया.

उन्होंने अपने बालों में कंघी की.

"चलो सब काम ख़त्म हो गया," उन्होंने कहा.

"लेकिन मैं ऐसा हर दिन करती हूँ.

इसमें कोई खास बात नहीं है."

मिस मौली ने कपड़े पहने,

"मेरी याददाश्त कभी भी अच्छी नहीं थी," उन्होंने कहा.

"उन्होंने मुझे बच्चे को पार्क में ले जाने को कहा.

लेकिन मैं बच्चे को घर लाना ही भूल गई.

मेरे पिता ने कहा कि बाद में मेरी यह आदत ठीक हो जाएगी.

मैं याद रखना सीख जाऊँगी.

और शायद मैं सीख भी लूँगी."

फिर मिस मौली हँसी.

उन्होंने अपना सिर हिलाया.

"मेरी माँ मुझ पर बहुत गुस्सा होती थीं.

एक बार उन्होंने मुझे दुकान से मटर लाने भेजा.

लेकिन मैं घर गाजर लाई," मिस मौली ने कहा.

"लेकिन यह स्थिति अधिक मज़ेदार है.

हर दिन आश्चर्य और पहेलियों से भरा होता है," उन्होंने कहा.

उन्होंने अपनी उंगली को देखा.

"यह आज मेरे लिए एक नई पहेली है."

मिस मौली ने अपना नाश्ता बनाया.

उन्होंने नाश्ता खाया और उन्होंने सोचा.

"अब, मुझे क्या याद रखना चाहिए?"

"आज क्या होने वाला है?"

उन्होंने कुछ और सोचा.

"चलो, मैं कैलेंडर में देखूँगी!" मिस मौली ने कहा.

"शायद मैंने खुद वहां कोई नोट लिखा हो."

वह कैलेंडर के पास गईं.

"ओह, प्रिय," उन्होंने कहा.

"वहां बहुत सारे नोट लिखे हैं.

लेकिन मैं आज की तारीख ही भूल गई."

मिस मौली ने कुछ और सोचा.

"अख़बार!" उन्होंने कहा.

"उससे मुझे तारीख पता चल जाएगी."

मिस मौली बाहर बरामदे में गईं.

उन्होंने अख़बार उठाया.

"गुरुवार, तेईस तारीख," उन्होंने पढ़ी.

मिस मौली ने कैलेंडर को देखा.

"यह रहा," उन्होंने कहा.

"यहाँ बस एक नोट है जिस पर लिखा है,

'आठ बजे तैयार रहना.'

किस लिए तैयार रहना?" उन्होंने खुद से कहा.

उन्होंने अपना सिर हिलाया.

"मुझे नहीं पता," उन्होंने कहा.

"पहले मैं अपना घर का काम करूँगी.

फिर मैं पता लगाने की कोशिश करूँगी"

वह भागती-दौड़ती रहीं.

जल्द ही उनका सब काम पूरा हो गया.

"अब मैं टहलने जाऊँगी," उन्होंने कहा.

"मुझे पता लगाना है कि आज क्या खास बात है,

मुझे पता लगाना है कि मुझे आठ बजे क्यों तैयार रहना है."

मिस मौली ने अपना बैग उठाया.

और फिर वो टहलने निकलीं.

उसने मिस्टर ब्लॉक को गुलाब काटते देखा.

"फूलों का शो!" मिस मौली ने कहा.

"वो बहुत खास होता है. शो को आज ही होना चाहिए."

वह बाड़ के पास गईं.

"मिस्टर ब्लॉक," उन्होंने पुकारा.

"क्या ये गुलाब, फूलों के शो के लिए हैं?"

लेकिन मिस्टर ब्लॉक उन्हें कुछ हैरान दिखे.

"फूलों का शो?" मिस्टर ब्लॉक कहा.

"वह तो पिछले महीने था."

"ठीक है," मिस मौली ने कहा.

"मैं वहाँ मौजूद थी. मुझे फूलों के शो बहुत पसंद हैं."

मिस्टर ब्लॉक ने कहा, "ये गुलाब हैं—"

मिस मौली ने उनके कुछ और कहने का इंतज़ार किया.

"ये गुलाब एक बहुत ख़ास काम के लिए हैं," मिस्टर ब्लॉक ने कहा.

"ओह," मिस मौली ने कहा.

फिर वह आगे बढ़ गईं.

"काश मिस्टर ब्लॉक ने मुझे वो ख़ास काम बताया होता," उन्होंने कहा.

"मैंने उनसे पूछा भी नहीं

क्योंकि वह अच्छा नहीं लगता."

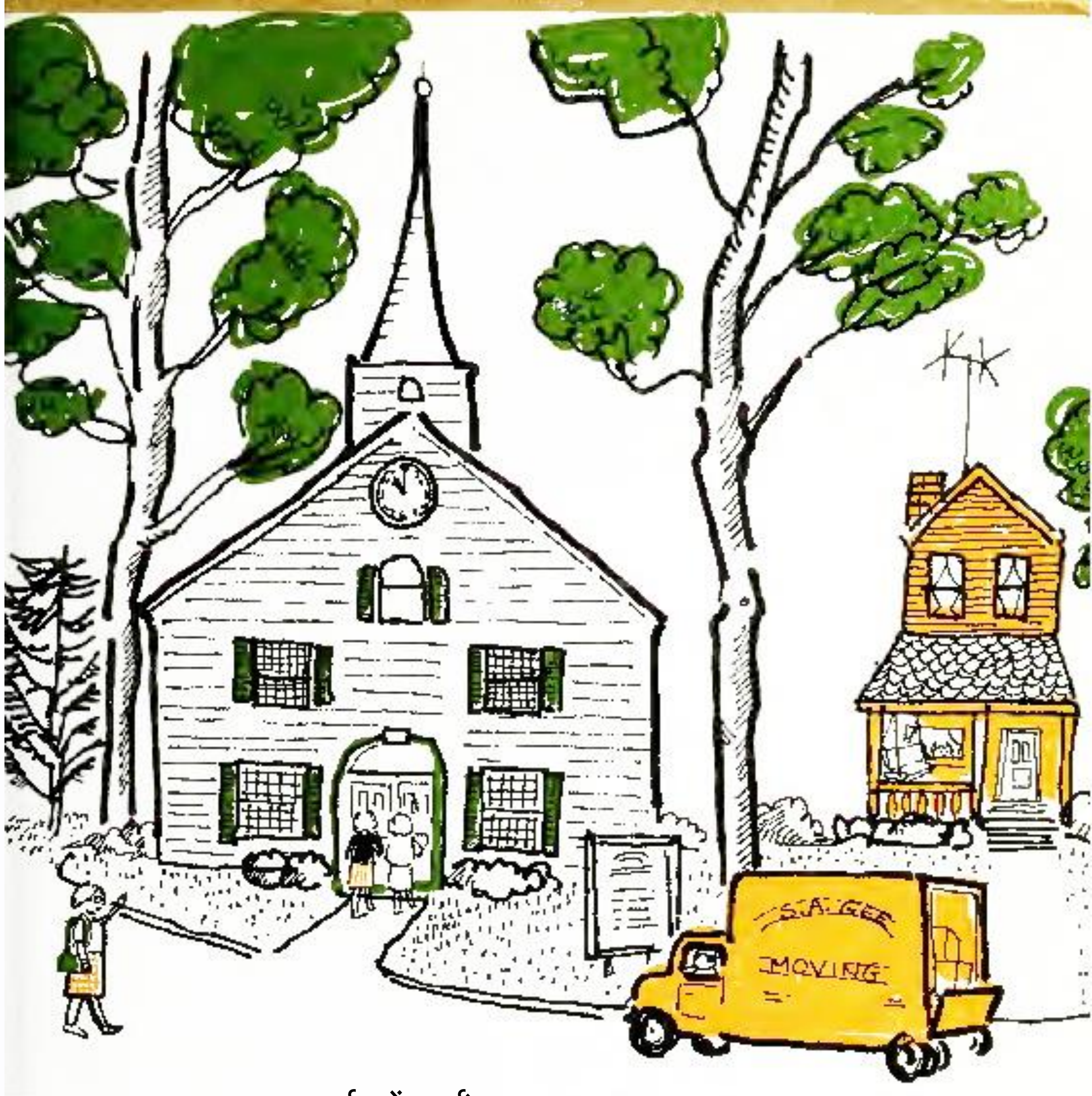

वह चर्च में गईं.

दो महिलाएँ अंदर जा रही थीं.

प्रत्येक के हाथ में एक-एक डिश थी.

"चर्च का रात्रिभोज!" मिस मौली ने कहा.

"शायद रात्रिभोज आज रात को हो."

फिर वो चर्च में अंदर गईं.

"हेलो, मिस मौली," डॉ. वेड ने कहा.

"क्या मैं आपकी कुछ मदद कर सकता हूँ?"

"मैं चर्च के रात्रिभोज के बारे में पूछना चाहती थी," मिस मौली ने कहा.

"ओह, हाँ," डॉ. वेड ने कहा.

"वह अगले महीने है.

हमें उम्मीद है कि आप उसमें हमारी मदद करेंगी."

"मैं ज़रूर मदद करूँगी," मिस मौली ने कहा.

"मुझे चर्च के रात्रिभोज बहुत पसंद हैं.

वे बहुत खास होते हैं."

"और यह आपके लिए बहुत खास दिन है," डॉ. वेड ने कहा.

"ओह, हाँ," मिस मौली ने कहा.

फिर वह चर्च से चली गईं.

"उनका क्या मतलब था?" मिस मौली ने कहा.

"मुझे पता है कि यह एक खास दिन है.

लेकिन मुझे नहीं पता कि वो क्यों ख़ास है!"

मिस मौली ने मिसेज मिलर को देखा.

उसके साथ उसका पालतू स्कंक, मफिन था.

"पालतू जानवरों का शो!" मिस मौली ने कहा.

"शायद वो पुरस्कार दे रही हों."

मिसेज़ मिलर करीब आईं.

"मफिन कितनी सुंदर लग रही है,"
मिस मौली ने कहा,

"मुझे उम्मीद है कि वह आज रात कोई
पुरस्कार जरूर जीतेगी,"

लेकिन मिसेज मिलर काफी हैरान दिखीं.

"क्या आज रात को पालतू जानवर भी
आमंत्रित हैं?" उन्होंने पूछा.

मिस मौली फिर हैरान दिखीं.

"क्या आज रात पालतू जानवरों का शो नहीं है?"
उन्होंने पूछा.

मिसेज मिलर मुस्कुराईं और बोलीं,

"वह अगले गुरुवार की रात को है."

"मैं जाऊँगी," मिस मौली ने कहा.

"मुझे पालतू जानवरों के शो बहुत पसंद हैं."

"लेकिन मैं आज रात आठ बजे आपसे मिलूंगी,"
मिसेज मिलर ने कहा.

फिर मिसेज मिलर और मफिन चले गए.

मिस मौली वहीं खड़ी रहीं.

"मुझे आप कहाँ मिलेंगी?" उन्होंने कहा.

फिर वह आगे बढ़ गईं.

वह डाकघर में गईं.

"मैं कुछ टिकट खरीदूंगी," उन्होंने कहा.

"मुझे हमेशा उनकी ज़रूरत पड़ती है."

"हैलो," क्लर्क ने कहा.

"कृपया मुझे कुछ टिकट दें," मिस मौली ने कहा.

"क्या आप और पत्र लिख रही हैं?" क्लर्क ने कहा.

"आपने पिछले हफ़्ते बहुत सारे पत्र मेल किए थे."

मिस मौली ने कुछ नहीं कहा.

उन्होंने टिकटों के पैसे चुकाए.

फिर मिस मौली घर चली गईं.

"मैंने पिछले हफ़्ते कई पत्र लिखे थे?" उन्होंने कहा.

फिर वह हँसी और बोलीं,

"शायद मैंने आखिरकार अपने बिल चुका दिए हैं.

मैं अक्सर ऐसा करना भूल जाती हूँ."

मिस मौली ने अपना लंच खाया.

उन्होंने धागे को देखा.

मिस मौली ने अपना सिर हिलाया.

"मुझे और सोचना चाहिए," उन्होंने कहा.

"कभी-कभी झूलने से मदद मिलती है."

फिर वह अपने सामने के बरामदे में गईं.

वह झूला कुर्सी पर बैठ गईं और झूलने लगीं.

मिस मौली ने सड़क के उस पार देखा.

उन्होंने जेन और उसकी माँ को देखा.

जेन अपनी नृत्य वाले जूते लेकर जा रही थी.

"डांसिंग स्कूल शो!" मिस मौली ने कहा.

"बिल्कुल ठीक!" उन्होंने पुकारा,

"क्या आज रात आठ बजे शो है, जेन?"

"नहीं," जेन ने कहा.

"आज सिर्फ़ अभ्यास का दिन है."

जेन की माँ ने कहा,

"शो अगले हफ़्ते है.

हम आपको वहां जरूर ले चलेंगे."

"अच्छा," मिस मौली ने कहा.

"मुझे डांस-शो बहुत पसंद हैं."

जेन ने कहा, "मेरे अभ्यास के बाद, हम आ रहे हैं.. "

"चुप रहो, जेन," उसकी माँ ने कहा.

"यह एक रहस्य है.

आज रात हम आपसे जरूर मिलेंगे, मिस मौली."

"आज रात सभी लोग मुझसे मिलने आ रहे हैं,"
मिस मौली ने कहा.

"लेकिन वे मुझे कहाँ मिलेंगे?"

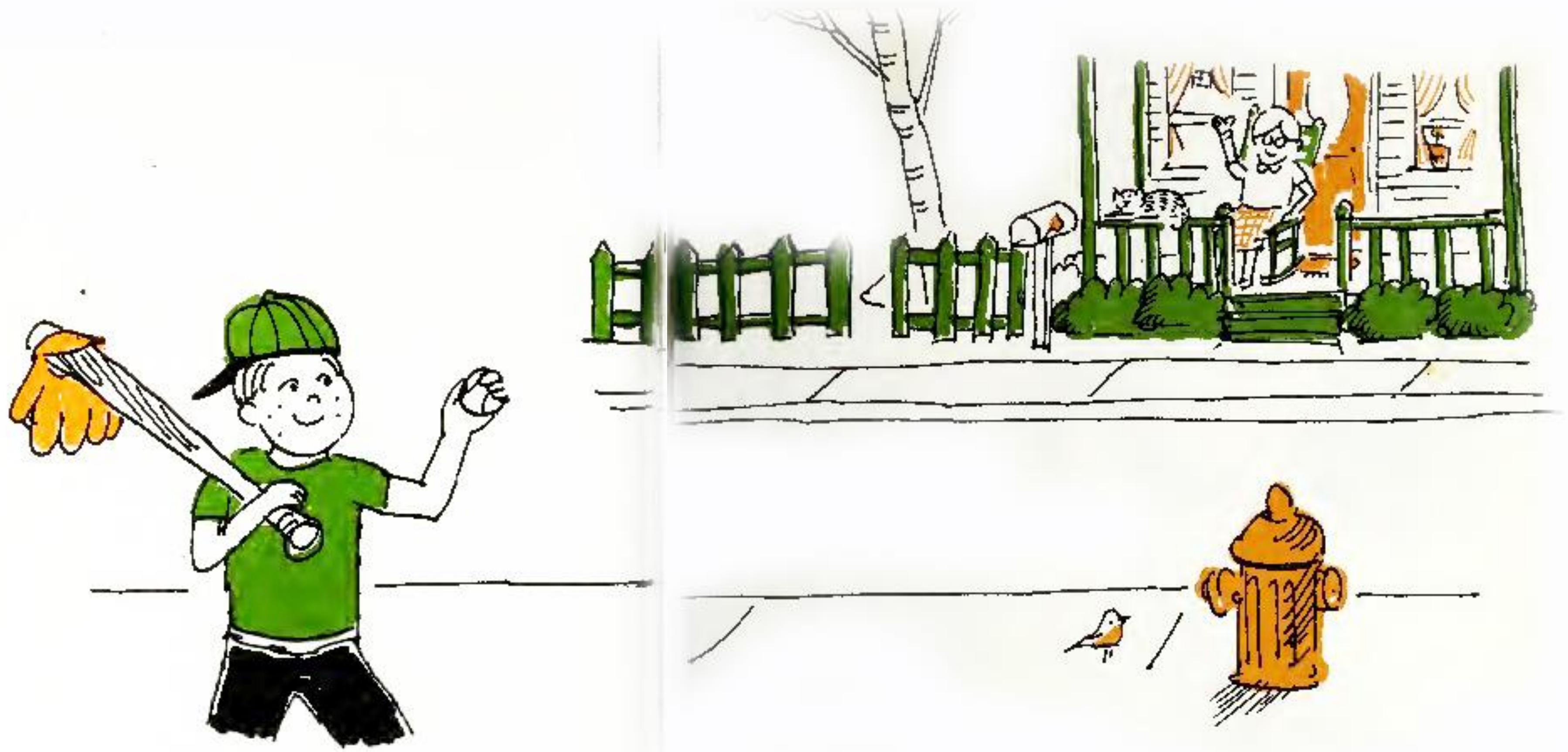

उन्होंने टॉमी को आते देखा.

उसके पास बेसबॉल और बल्ला था.

"बॉल गेम!" मिस मौली ने कहा.

"गेम हमेशा आठ बजे होते हैं.

सभी लोग उन्हें देखने जाते हैं.

सभी लोग शायद मुझे वहाँ मिलेंगे.

पक्का, यही होगा."

"हैलो, मिस मौली," टॉमी ने कहा.

"मैं आज रात खेल देखने आऊँगी," मिस मौली ने कहा.

"लेकिन मिस मौली," टॉमी ने कहा, "आज गुरुवार है.

हमारा गेम हमेशा शुक्रवार को होता है."

"ठीक है," मिस मौली ने कहा.

"मैं कल रात वहाँ आऊँगी.

क्योंकि मुझे बॉल गेम बहुत पसंद हैं."

"लेकिन मैं आज रात आपसे मिलूंगा," टॉमी ने कहा.

"मैं आपसे आज ज़रूर मिलूंगा —" फिर टॉमी रुक गया.

फिर उसने कहा, "ओह, मैंने लगभग उन्हें बता ही दिया था."

उसके बाद टॉमी सड़क पर भाग गया.

"अन्य रातों को बहुत कुछ होने वाला है," मिस मौली ने कहा.

"लेकिन आज रात आठ बजे क्या होगा मैं उसके बारे में जानना चाहती हूँ.

ऐसा लगता है कि बाकी सभी लोगों को उसके बारे में पता है."

मिस मौली अंदर गईं .

"मैं एक कप चाय पीऊँगी," उन्होंने कहा.

वह रसोई की ओर गईं.

तभी पीछे के दरवाजे की घंटी बजी.

"वह कौन हो सकता है?" उन्होंने कहा.

मिस मौली ने पुकारा, "अंदर आ जाओ."

एक लड़का अंदर आया.

"ये रहा वो सोडा जो आपने मंगवाया था," लड़के ने कहा.

"सोडा?" मिस मौली ने कहा,

"मैंने सोडा कब मंगवाया था?"

"पिछले हफ़्ते," लड़के ने कहा.

"आपने कहा था कि उसे आज ही के दिन लाना."

"ओह," मिस मौली ने कहा.

"धन्यवाद वॉन," मिस मौली ने सोडे के डिब्बों को देखा.

"मैंने ऐसा क्यों किया होगा?"

उन्होंने कुछ देर सोचा.

"मैंने बहुत सारे पत्र भी भेजे थे.

मैंने बहुत सारा सोडा भी मंगवाया था.

आज रात सभी लोग मुझसे मिलने आने वाले हैं," उन्होंने कहा.

मिस मौली हँसी.

उन्होंने ताली बजाई.

"मुझे पता है!" उन्होंने कहा.

"मैं पार्टी दे रही हूँ. मुझे पार्टियाँ बहुत पसंद हैं."

लेकिन फिर मिस मौली रुक गईं.

"लेकिन मैं पार्टी क्यों दे रही हूँ?

मुझे ज़रा सोचने दो.

क्या कोई दूर जा रहा है?

क्या कोई शादी कर रहा है?

क्या किसी का जन्मदिन है?

क्या किसी का बच्चा होने वाला है?"

मिस मौली ने अपना सिर हिलाया.

"ठीक है, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता है,"

उन्होंने कहा.

"पार्टी का मतलब होता है केक. इसलिए

अब मुझे काम पर लग जाना चाहिए."

और फिर मिस मौली काम पर लग गईं.

जल्द ही उन्होंने एक केक बनाया.

मिस मौली ने उसे देखा.

"चूँकि यह एक पार्टी केक है,

इसलिए मैं उसे फैंसी बनाऊँगी," उन्होंने कहा,

"मुझे फैंसी केक बहुत पसंद हैं."

मिस मौली ने केक को सजाने में बड़ी मेहनत की

"देखो," उन्होंने कहा. "यह बहुत सुंदर है."

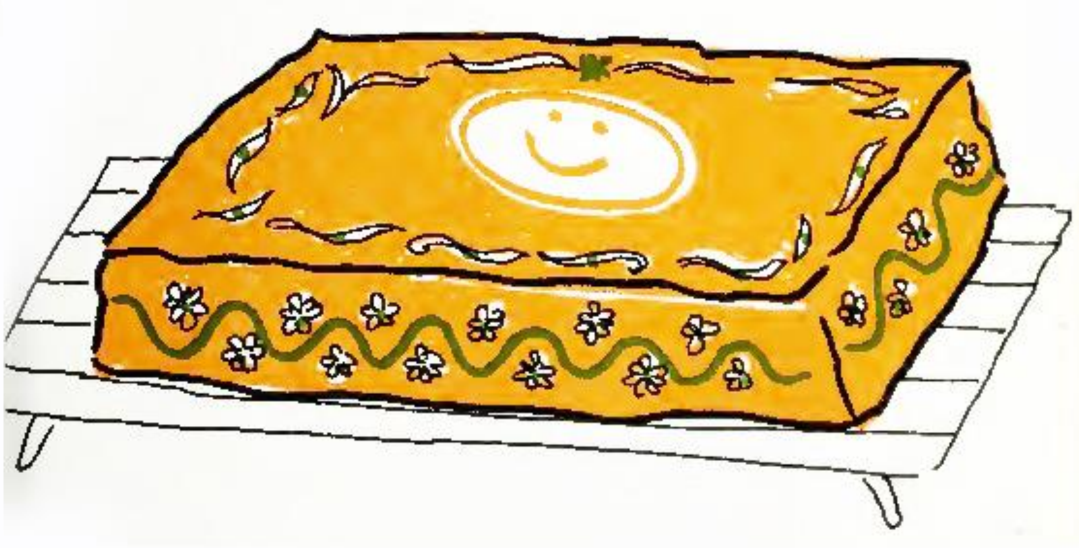

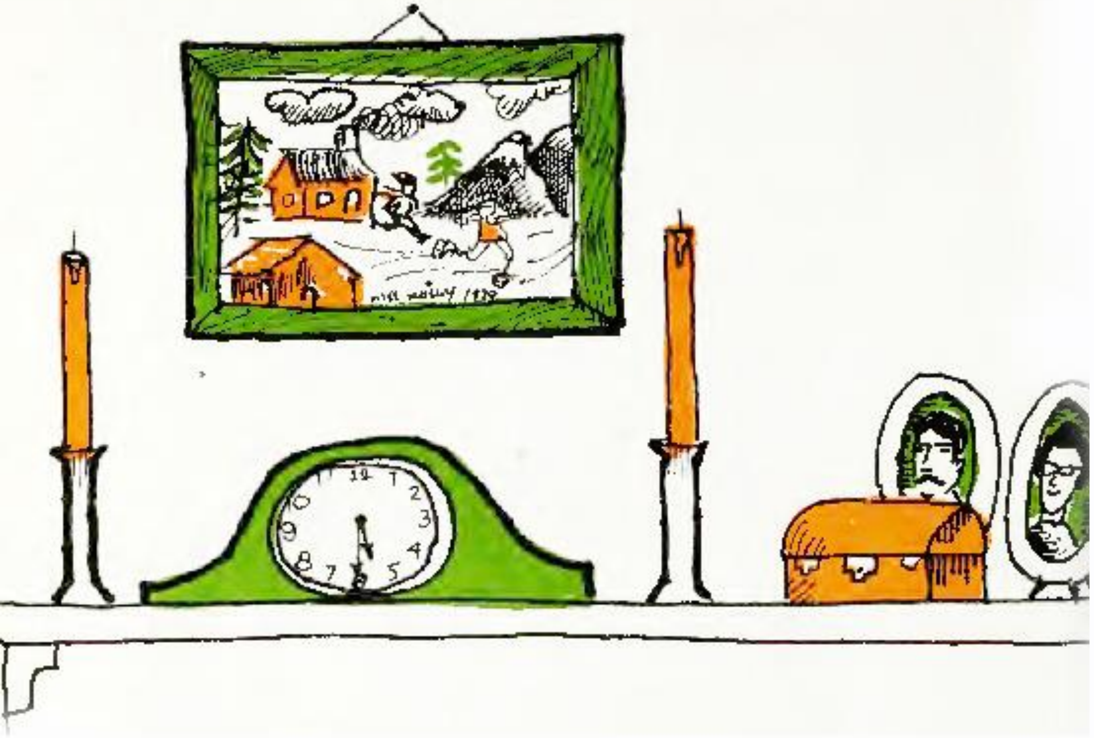

उन्होंने अपनी उंगली पर बंधे धागे को देखा.

मिस मौली हँसी. "मैं हार मानती हूँ," उन्होंने कहा.

"मैं अपनी पहेली का एक हिस्सा ही जानती हूँ.

लेकिन उसका दूसरा हिस्सा मुझे ज़रूर आश्चर्यचकित करेगा.

"मैं आठ बजे तैयार रहूंगी और फिर देखूँगी कि क्या होता है."

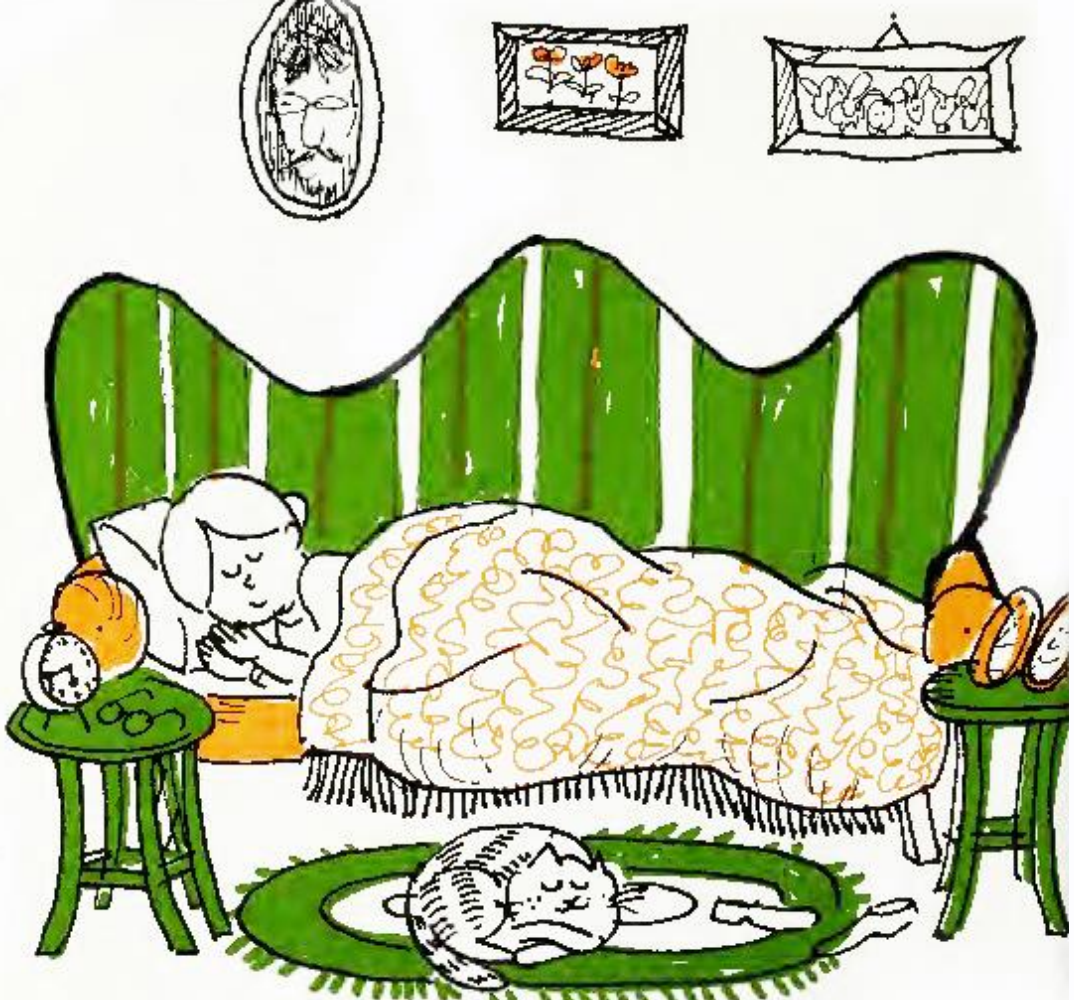

मिस मौली ने जम्हाई ली.

"मैं थक गई हूँ," उन्होंने कहा.

"अब मैं कुछ देर आराम करूँगी,"

मिस मौली लेट गई.

जल्द ही वह गहरी नींद में सो गई.

बाद में वह जागीं.

उन्होंने घड़ी की ओर देखा.

"ओह," उन्होंने कहा. "अब मुझे जल्दी करनी चाहिए."

मिस मौली ने अपना खाना खाया.

उन्होंने स्नान किया.

उन्होंने अपने सबसे अच्छे साबुन का उपयोग किया.

उन्होंने अपनी सबसे अच्छी पोशाक पहनी.

फिर मिस मौली बैठ गईं.

"मैं बहुत उत्साहित हूँ," उन्होंने कहा.

"मुझे आश्चर्य पसंद है."

घड़ी बजने लगी.

टन! टन! टन! टन! टन! टन! टन! टन!.

और फिर दरवाजे की घंटी बजी.

मिस मौली जल्दी से दरवाजे की ओर बढ़ीं.

उन्होंने दरवाजा खोला.

उनका बरामदा लोगों से भरा हुआ था.

"हैप्पी बर्थडे!" वे चिल्लाए.

मिस मौली ने अपने हाथ ऊपर उठाए.

"अच्छा तो यह बात थी!" उन्होंने कहा.

सब लोग हंस पड़े.

मिस मौली भी हंस पड़ी.

"अंदर आओ, अंदर आओ," उन्होंने कहा.

"मैं अभी आती हूँ."

मिस मौली जल्दी से रसोई में गईं.

जल्दी से उन्होंने केक में कुछ मोमबत्तियाँ लगायीं.

फिर उन्होंने केक उठाया.

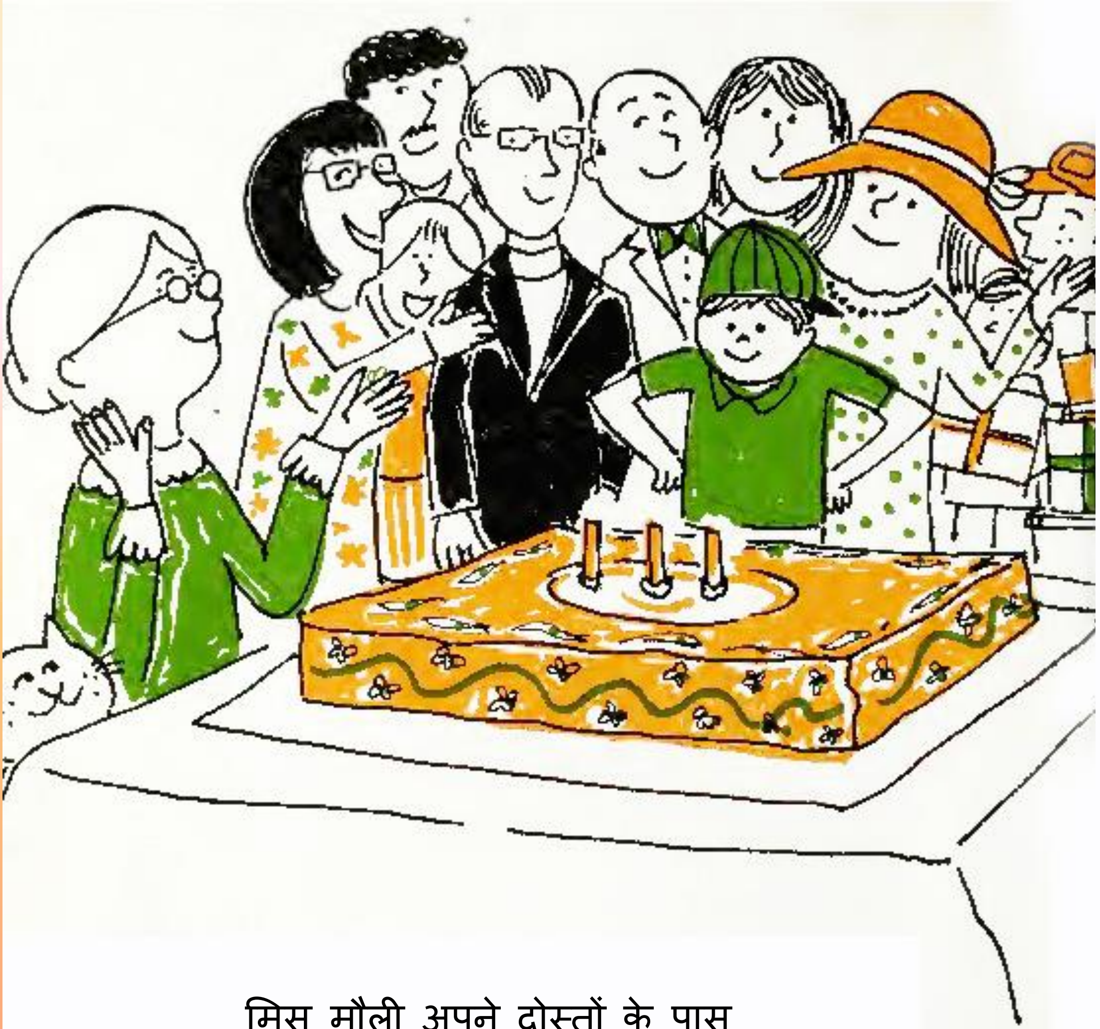

मिस मौली अपने दोस्तों के पास वापस गईं.

मिस मौली ने गाना शुरू किया,

"हैप्पी बर्थडे टू मी, हैप्पी बर्थडे टू मी."

उन्होंने केक नीचे रख दिया.

"अब," उन्होंने कहा, "मैं अपनी उंगली पर बंधे धागे को हटा सकती हूँ."

"अरे, मौली," उनकी बहन ने कहा.

"तुम फिर से भूल गईं."

"हाँ, मैं भूल गई," मिस मौली ने कहा.

"मैंने खुद को एक सरप्राइज पार्टी दी."

फिर वह हँसी और बोलीं,

"और मैं वाकई हैरान थी,"

सब मिलकर चिल्लाए,

"हमारी मिस मौली ऐसी ही हैं!"

उसके बाद टॉमी ने मोमबत्तियाँ जलाईं.
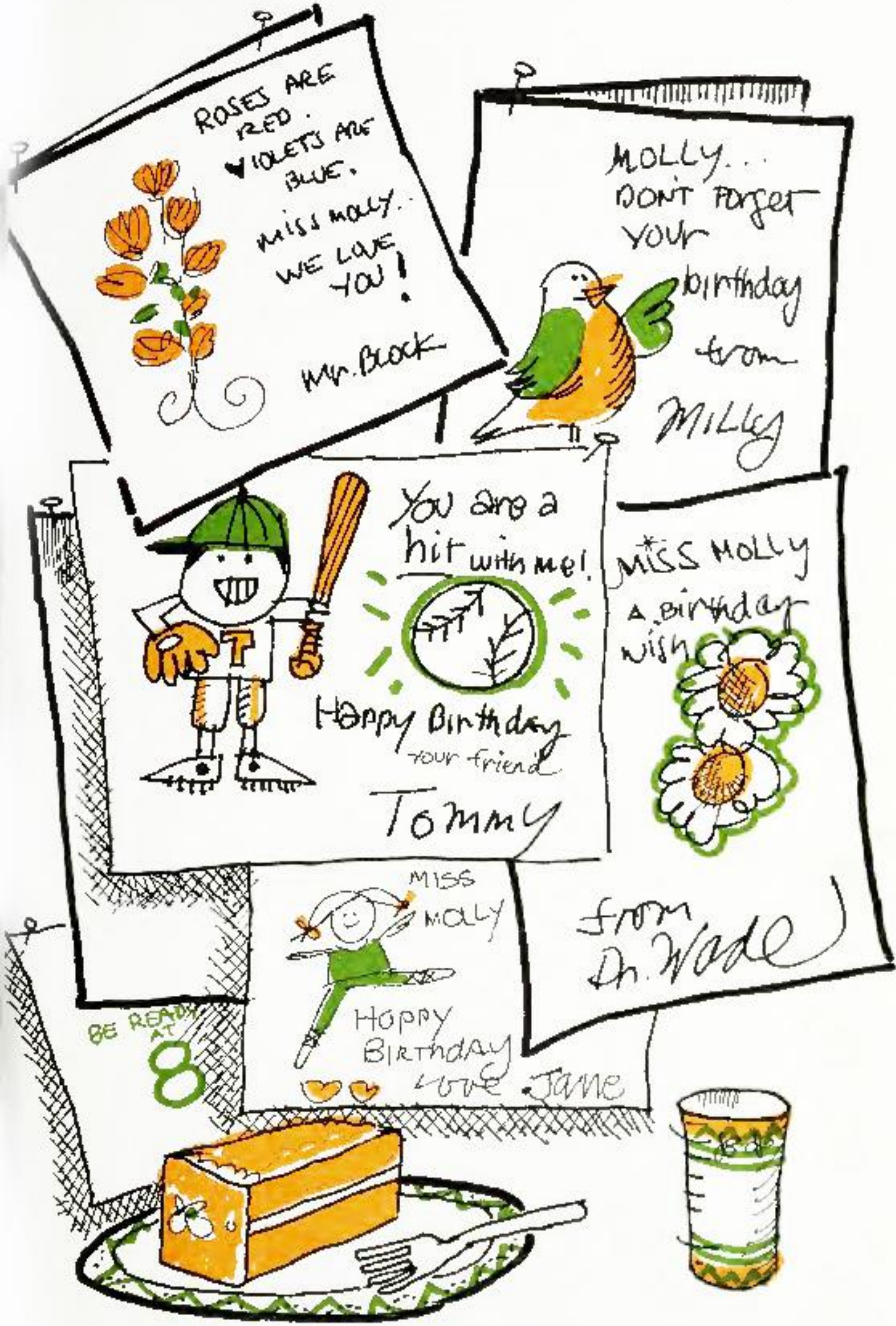
और सबने "हैप्पी बर्थडे" गाया.